

## नाम आनंद (१००)

राधेश्याम राधेश्याम राधेयाम कहिये

नाम के आनन्द में लीन नितु रहिये ॥

करूणा का धाम है नाम भगवान

पतित पावन बृदु गाइनि वेद पुराण

गुरुदेव की शरण मंत्र राज पाइये ॥ नाम के आनंद

मधुर नाम दोरि में अचे नामी डोड़ी

अखियुनि ऐं हिये वसे मिठी युगल जोड़ी

नाच नाच कूद कूद नाम गुण गाइये ॥ नाम के आनंद

नाम की कृपा से हिये लीला दरसे

नाम की कृपा से रस प्रेम वरसे

और सभु त्याग नाम रस चाहिये ॥ नाम के आनंद

नाम जो प्रताप मैगसि चन्द्र बुधायो

नाम रस रंग में मन खे रंगायो

हरि गुर नाम रटि सदां मस्त रहिये ॥ नाम के आनंद